| फोल्डर नं. | 548578 |
| ग्रन्थ | जैन भारती 2001 02 वर्ष 49 अंक 02 |
| लेखक | शुभू पटवा, वच्छराज दुग्गड |
| प्रकाशक | जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा |
| आवृत्ति | 1 |
| प्रकाशन वर्ष | 2001 |
| पृष्ठ | 60 |

मुख्य टाइटल
अनुक्रमणिका
कितने युवजन------------------------------------------------------------- ५
आध्यात्मिक अर्थशास्त्र की प्रस्तावना--------------------------------------------------------------- ९
हिंसा विरिति-अविरिति-आचारां ग के परिपृक्ष्य से------------------------------------------------ १८
भारत धर्म----------------------------------------------- २४
धर्मसी दीवो पहुँचान----------------------------------------------- २७
अहिंसा-ब्रह्मचर्य दैहिक विमर्श----------------------------------------------- ३२
पढाई-------------------------------------------------------------------------------- ४१
गिरजाए राठी की कविताएँ----------------------------------------------- ४६
सुख दुःख से इक परे परम पद-------------------------------------------------------- ५९
युवा पीढ़ी-दशा दिशा-------------------------------------------------------- ५०
पुरुषार्थ और पुण्यहीन ---------------------------------- ५२